# Che Syitit of memocracy. 

James r. Morris, Editer and Proprietor.
WOODSFIELD, OHIO, SATURDAY, MARCH 13, 1847.
Vol. III. No. 52.

|  |  |  |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  | When pased away it mingles unsen |  | and | , |  |
|  | and when ho oame to |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| HE MAN |  |  |  |  |  |
|  | Os |  |  |  |  |
| avon's lamp which bright | causot Ilearty perceived that assidu |  |  |  |  |
| like this may well awake |  |  |  |  | ${ }^{\text {co }}$ |
|  | Iy disposed to sadness and farr, 1 was |  |  |  | A Lone Moorte Powre Sertrer.-1t |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| Yhation oneee |  |  |  |  |  |
| * |  |  |  |  |  |
|  | continue, I opened his vest and remov- |  |  |  |  |
| Madaes perrveses to menal woid |  |  |  |  |  |
| think not, though forlorn and drear | ded circulation; and I saw depicted thereon, as a seal, in faint but certain |  |  |  |  |
| is a suffaring more sever |  |  |  |  |  |
| is whose virtues struggle still |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| heth her chanaterect charmo diplytys; |  |  |  | d. |  |
| The orring mind have still betray'd; |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| The "still small voice!" yet prone Have proudly, foolishly preterr'd | Ibless God that hois is nighat hand!' |  |  |  |  |
|  | that doar youth-for |  |  |  |  |
| Their hopes above-their peace below |  |  |  |  |  |
| There are, in short, whose days prese |  |  |  |  |  |
| Who hourly for themselve | $0$ |  |  | Heenj litrove to orget you; yet how |  |
| Has made their |  | grinst | d |  |  |
|  | Mas 1 carry with me comfort and con- |  |  |  |  |
| thar | the son of the stran |  |  |  |  |
|  | $r$ the |  |  |  | $n$ all acceunts, the Caliiorrians |
| Not so while thought and conscience prey |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  | chearines |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| - Enth |  |  |  |  |  |
|  | Which currainea the bulaidig. Alas |  |  |  |  |
| many weeks ago | attenuated, spiritual. Ho welcome |  | our |  |  |
|  | me with a heavenly, gmie, and bad |  |  |  |  |
| carro blanche! "Touching the |  |  |  |  |  |
|  |  |  | -There was sthen io my lamiy a girl |  |  |
| and characters as to nsesmilate | and | figure 1 |  |  |  |
| ary to the |  |  |  |  |  |
| mained for you to disturb it | the conviction | a rumor of his o |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| 1 su |  |  |  |  |  |
| fore, as |  |  |  |  |  |
| you will i i willililustrate the times ind |  | dictic | (exime | (eisis soice trembled and his fatures |  |
|  |  |  |  |  |  |
| ${ }_{\text {che }}$ | dot | wion lay |  |  |  |
| Acaid | towith the livi |  |  | ive, |  |
|  | Tanswered him that cerranly it was |  |  |  |  |
|  | m |  |  |  | Txsun Trogure Tharaterzo- |
|  |  |  |  |  |  |
| manuscript, which appears to be i the form ol a diary, |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| Thatk ${ }^{\text {co }}$ |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| dith |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| amimor gardens and * woll of living |  |  |  |  |  |
| neoictmant Thero apparad more |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| Youtw whose nudaeitileses intorrupted |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |

